Godda College, Godda

Name of the teacher	Course	Sem	Subject	Title	Mode
Dr. Pankaj Kumar	B.Ed	II	T.C-201	Constructivist learning	Pdf

P. Kumar
04/05/2020

T.C-201
Unit-6

Constructivist Learning- रचनावादी अधिगम

रचनावाद एक ऐसा अधिगम है जो वास्तव में अवलोकन और वैज्ञानिक अध्ययन पर आधारित है। छात्र/व्यक्ति कैसे सीखते हैं। छात्र अपना-अपना ज्ञान बना सकते हैं। प्रत्येक छात्र व्यक्तिगत एवं सामाजिक संरचना कुछ गतिविधियों को करते हुए सीखते हैं। जो अधिगमकर्ता के अनुभव में झलकती है, इसे ही रचनावाद कहते हैं। सीखना एक सतत, सहज, निरंतर चलने वाली सामाजिक प्रक्रिया है, जिसमें सीखने वाला अपने वातावरण से परस्पर अंतःक्रिया करते हुए अपने अनुभवों से स्वयं सीखता है। बच्चा स्वाभाविक रूप से ही अपने आप को दूसरे से जोड़कर देखता है जिससे उसकी समझ विकसित होती है, और अपने इन्हीं अनुभवों के आधार पर वह अपने जीवन के कार्य कर पाता है। ज्ञान के सृजन की इसी प्राकृतिक विकास को रचनावाद कहा जाता है।

बालकों में बुद्धि का विकास उसके जन्म के साथ जुड़ा होता है। प्रत्येक बालक कुछ जन्मजात प्रवृत्तियों एवं सहज क्रियाओं को उसके संबंधी योग्यता लेकर पैदा होता है जिसके फलस्वरूप वह बाह्य जगत की परिस्थितियों में अपनी समझ का सृजन करता है।

रचनावाद गुणवत्तापरक और सार्थक शिक्षा का वह स्वाभाविक व आनंदमयी सिद्धांत है जिसमें बच्चा अपना सर्वश्रेष्ठ विकास कर सकता है और वास्तविक जीवन में अपने ज्ञान का सही मायने में प्रयोग करते हुए कुशलतापूर्वक जीवन यापन कर सकता है।

रचनावाद के प्रमुख समर्थक / Key Players of constructivism.

- John Dewey (1859-1952)
- Maria Montessori (1870-1952)
- Jean Piaget (1896-1980)
- Lev Vygotsky (1896-1934)
- Jerome Bruner (1915-2016)

9 अगस्त 1896 को स्विट्जरलैंड में जन्मे सर्वाधिक प्रभावशाली मनोवैज्ञानिक जीन पियाजे को रचनावाद के आधार रखने वाले ~~क्रम~~ में पहला स्थान प्राप्त है। जीन पियाजे संज्ञानात्मक विकास के क्षेत्र में कार्य करने वाले जन्तु वैज्ञानिक है, जिन्होंने मनोविज्ञान के प्रशिक्षण के दौरान "अल्फ्रेड बिने" के निर्देश में फ्रेन्च स्कूल के बच्चों के बुद्धि परीक्षण पर कार्य किया। उन्होंने अपने तीनों बच्चों के मानसिक विकास ~~[illegible]~~ संबंधित क्षण-प्रतिक्षण का विस्तृत लेखा-जोखा तैयार किया तथा इसके विश्लेषण के आधार पर

निम्नांकित बातों पर ध्यान आकर्षित किया -

पियाजे के अनुसार ; संज्ञानात्मक कार्यविधि
की दो मुख्य विशेषताएँ है -

(i) संगठन (Organization) (ii) अनुकूलन (Adaptation)

⇒ संगठन (Organization) - प्रत्यक्षीकृत तथा बौद्धिक सूचनाओं को सार्थक पैटर्न जिन्हे बौद्धिक संरचनाएँ कहते है मे व्यवस्थित करने से है।

• पियाजे के अनुसार "व्यक्ति एकत्रित बौद्धिक सूचनाओं का वर्गीकरण करता रहता है, जिससे वह अपने बाह्य जगत की परिस्थितियो के अनुरूप सहज व स्वाभाविक ढंग से उचित व्यवहार कर सके।"

⇒ अनुकूलन (Adaptation) - अनुकूलन वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा व्यक्ति अपने पूर्व ज्ञान तथा नवीन अनुभवो के मध्य संतुलन (Equilibrium) स्थापित करता है।

अनुकूलन के अन्तर्गत दो प्रक्रियाएँ होती है -

(i) आत्मसातकरण (Assimilation)

(ii) समायोजीकरण (Accomodation)

अनुकूलन मे व्यक्ति या तो नवीन सूचनाओं को पुरानी बौद्धिक संरचनाओं मे आत्मसात करता है अथवा पुरानी बौद्धिक संरचनाओं को नवीन बौद्धिक संरचनाओं मे समायोजित करता है और अनुकूलन की यह प्रक्रिया जीवन पर्यन्त चलती रहती है।

जीन पियाजे के अनुसार बालक जैसे जैसे बड़ा होते जाते हैं, उनकी बौद्धिक क्रियाओं का प्रसार बढ़ता जाता है। जीन पियाजे ने बालकों के विकास से संबंधित निर्माण एवं ज्ञान सिद्धांत का प्रतिपादन किया है।

जीन पियाजे के अनुसार बौद्धिक विकास की निम्न चार अवस्थाएँ हैं। प्रत्येक अवस्था एक विशेष समय अवधि से संबंधित होती है तथा प्रत्येक अवस्था अपनी पूर्व की अवस्था से अधिक उन्नत होती है।

(I) संवेदनात्मक गामक अवस्था / इन्द्रियजनित गामक अवस्था / संवेदी प्रेरक अवस्था (Sensori motor stage) (0-2 वर्ष)

(II) पूर्व संक्रियात्मक अवस्था / प्राक्संक्रियात्मक संचालन प्रक्रिया (Per operations stage) (2-7 वर्ष)

(III) मूर्त संक्रिया अवस्था / स्थूल संक्रियात्मक अवस्था (Concret operations stage) (7-11 वर्ष)

(IV) औपचारिक संक्रिया अवस्था / अमूर्त अवस्था (Formal operations stage) (11-15 वर्ष)

बालकों द्वारा एक अवस्था से दूसरे अवस्था में जाना उनकी शारीरिक परिपक्वता तथा वातावरणीय अनुभवों पर आधारित होती है। उपरोक्त अवस्थाएं निश्चित क्रम में चलती हैं।

Scanned with CamScanner

John Dewey (जॉन डेवी)- जॉन डेवी अधिगम प्रक्रिया में वास्तविक जीवन घटनाओं की प्रायोगिक अधिगम के अनुभवात्मक ज्ञान की वकालत करते। उनका विचार / मत है कि मानव करके सीखते हैं।

Lev Vygotsky (लेव वाइगोत्स्की) - सोवियत संघ के मनोवैज्ञानिक लेव वाइगोत्स्की ने बालकों के सामाजिक विकास से संबंधित एक सिद्धांत का प्रतिपादन किया, जिसके अनुसार बालक के इस प्रकार का विकास में उनके समाज का विशेष योगदान होता है। सामाजिक विकास सिद्धांत को सामाजिक-सांस्कृतिक सिद्धांत भी कहा जाता है। वाइगोत्स्की के अनुसार बालक का संवेगात्मक, नैतिक, चारित्रिक सामाजिक एवं भाषायी विकास बालक एवं समाज के बीच अन्तः क्रिया का परिणाम है।

समाजीकरण की प्रक्रिया तथा सामाजिक विकास परस्पर घनिष्ठ रूप से संबंधित होते हैं।

लेकिन वाइगोत्स्की मनुष्य के व्यवहार विकास ज्ञान को सामाजिक अन्तः क्रिया मानते हैं।

Jerome Bruner - Bruner का महत्वपूर्ण योगदान मानव के संज्ञानात्मक मनोविज्ञान, संज्ञानात्मक अधिगम सिद्धांत, शिक्षा मनोविज्ञान एवं इतिहास के दर्शन शास्त्र में है।

Two views of constructivism
(रचनावाद को दो बार देखा गया)

(i) Individual constructivism
(व्यक्तिगत रचनावाद)

(ii) Social constructivism
(सामाजिक रचनावाद)

⇒ Individual constructivism (व्यक्तिगत रचनावाद)

- इसे संज्ञानात्मक रचनावाद भी कहा जाता है।
- यह जीन पियाजे के सिद्धांत पर आधारित है
- यह बाल केन्द्रित एवं खोजी अधिगम पर आधारित है।
- इसमें शिक्षार्थी को अपना सिद्धांत को अपने से विकसित करता है।
- व्यक्ति स्वयं के बारे में ज्ञान प्राप्त करता है।

⇒ Social constructivism (सामाजिक रचनावाद)

- यह मुख्यतः Vygotsky's के सामाजिक विकास के सिद्धांत पर आधारित है।
- सामाजिक अधिगम की प्रक्रिया में बालक दूसरे के व्यवहारों के अनुकरण करते है और सीखते है।
- सामाजिक विकास सिद्धांत बालक की वास्तविक क्षमता स्तर तथा कार्यकारी विकास स्तर के मध्य अंतर से संबंधित है इस स्तर को उसने निकट विकास का क्षेत्र कहा है।

Characteristics of constructivism
रचनावाद की विशेषता

Constructivism is characterized by

- Problem solving — समस्या सुलझाना
- Hands on Experimentation — क्रियात्मकता
- Concept Development — अवधारणा विकास
- Logical Resoning — तार्किक विचार

Constructivism in characterized by

- Authentic Learning — प्रमाणिक अधिगम
- Engaged/Active Learning — क्रियात्मक अधिगम
- Whole Language Approach to Literacy — साक्षरता के लिए पूरे भाषा का दृष्टिकोण
- Socially Constructed — सामाजिक रूप से निर्मित

Scanned with CamScanner

why constructivism the best Framework

- constructivism Enhance knowledge.
  रचनावाद ज्ञान बढ़ाता है।
- constructivism is practical.
  रचनावाद प्रायोगिक है।
- constructivism is Holistic.
  रचनावाद समग्र है।
- constructivism is inclusive.
  रचनावाद में सभी सम्मिलित है।
- constructivism is Effective.
  रचनावाद प्रभावी है।

=

Scanned with CamScanner